Newspaper: Amar Ujala **Date: 03-05-2022**

डॉ. राजीव ने हिंदी टाइपिंग के विकल्पों की दी जानकारी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आयोजित हुई कार्यशाला

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है।

ये बातें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से हिंदी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला में कहीं। उन्होंने कहा कि भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान

हिंदी कार्यशाला को संबोधित करते वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत। संवाद

समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षी पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिंदी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिंदी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिंदी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिंदी की महत्ता के साथ - साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Workshop on 'Hindi Typing'

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 03-05-2022**

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक : प्रो.टंकेश्वर कुमार

आइआइटी खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डा. राजीव रहे उपस्थित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए कुलपति ● सौ. हकेंवि

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डा. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल आफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा।कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डा. राजीव रावत ने हिंदी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। डा. राजीव रावत ने हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व आफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

Newspaper: Haribhoomi **Date: 03-05-2022**

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। ये विचार विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने व्यक्ति किए। उन्होंने कहा कि आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 03-05-2022**

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक: प्रो. टंकेश्वर कुमार

■ ह.के.वि. में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का आयोजन

ह.के.वि. में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए कुलपति।

महेंद्रगढ़, 2 मई (परमजीत, मोहन): हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजरायल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है।

भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ने होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। उक्त विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाईपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की।

आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे।

कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षापीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने हिन्दी के प्रचलन को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाईपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी।

कार्यशाला में मंच संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 03-05-2022**

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक: प्रो.टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हिन्दीहमारीराजभाषाहै और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल आफिसर व शिक्षी पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 03-05-2022**

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक: प्रो.टंकेश्वर कुमार

आईआईटी खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

हकेवि में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी की महत्ता के साथ-साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 03-05-2022**

कार्यशाला

हकेंवि में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है।

आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी की महत्ता के साथ-साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।